



भारत सरकार Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

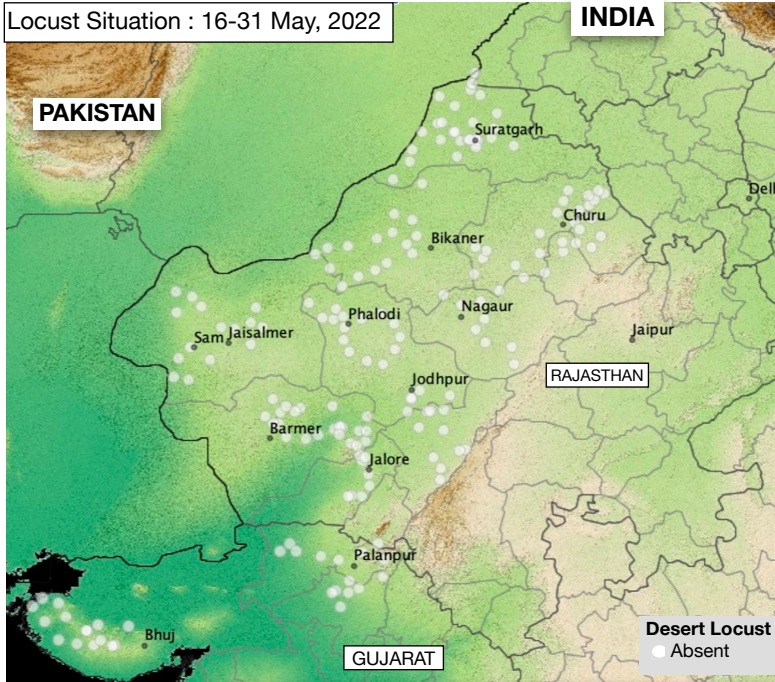
DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2022 / No. 10

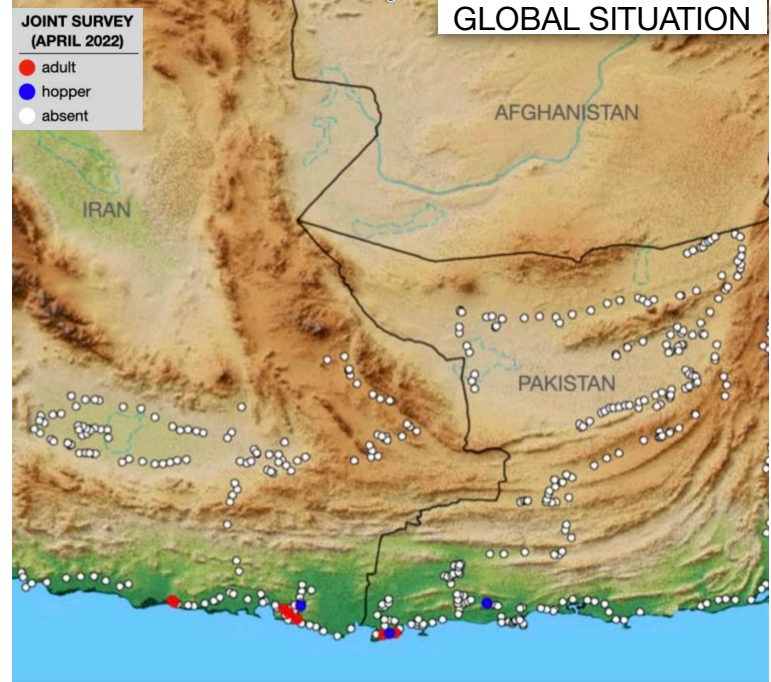
अवधि / Period 16-31 May, 2022

LOCUST SITUATION : During the routine survey, it has been observed that India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities in the 2nd fortnight of May, 2022. Total 185 nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : मई 2022 के द्वितीय पखवाड़े में भारत रेगिस्तानी टिड्डी की समूह एवं एकल गतिविधियों से मुक्त रहा है। इस अवधि में अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्रों में नियमित सर्वेक्षण के दौरान कुल 185 स्थानों का अवलोकन किया गया जिन्हें मानचित्र पर चिह्नित किया गया है।



India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities

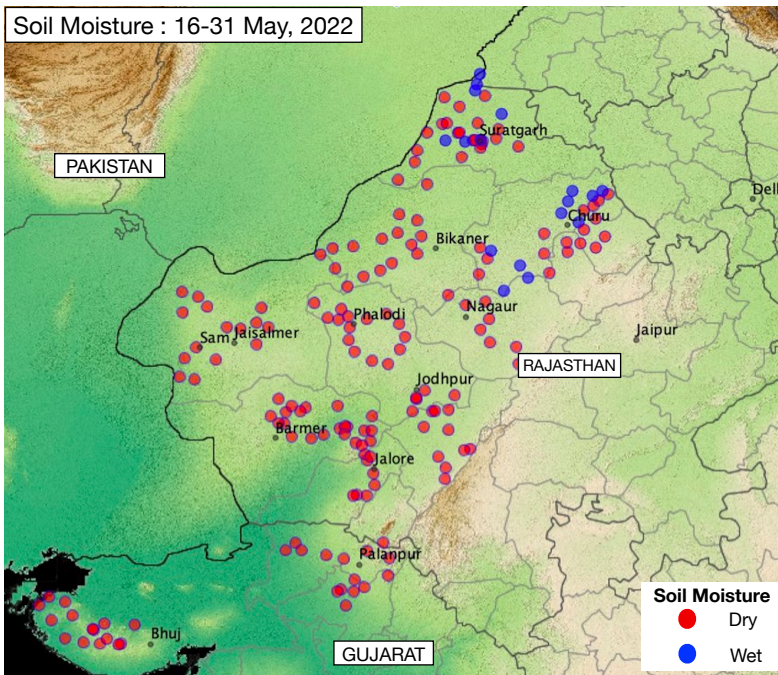


The annual joint survey covered 17000 km in southeast **Iran** and southwest **Pakistan** and found only isolated adults and hoppers in a few coastal areas.

Swarm movement : Nil
Breeding : Nil
Hoppers : Nil
Scattered / Isolated adult/Adult Groups : Nil

WEATHER AND ECOLOGY : No rainfall observed during the reporting period. Soil moisture observed mostly dry except few places in Churu & Suratgarh. Vegetation was found green at Churu, Barmer, Palanpur and dry at Suratgarh, Bikaner, Nagaur, Jodhpur, Phalodi, Jaisalmer, Jalore & Bhuj.

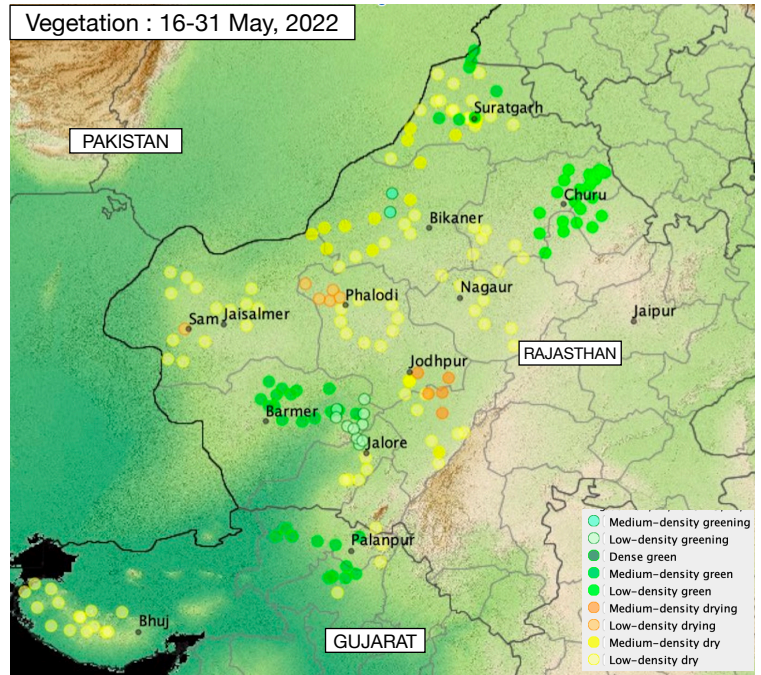
Soil Moisture : 16-31 May, 2022



Soil moisture observed mostly dry except few places in Churu & Suratgarh.

मौसम एवं परिस्थितिकी : रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कहीं वर्षा नहीं देखी गई। सूरतगढ़ एवं चुरु के कई स्थानों को छोड़कर शेष सर्वे स्थानों में भूमि नमी रहित पायी गई। चुरु, बाड़मेर, पालनपुर में वनस्पति हरी पाई गई जबकि सूरतगढ़, बीकानेर, नागौर, जोधपुर, फलोदी, जैसलमेर, जालौर और भुज में इसे सूखा पाया गया।

Vegetation : 16-31 May, 2022



Vegetation was found green at Churu, Barmer, Palanpur and dry at Suratgarh, Bikaner, Nagaur, Jodhpur, Phalodi, Jaisalmer, Jalore, Bhuj.

FAO Update (2 May): In the Horn of Africa, a few small remnant immature swarms remained during the first week in southern **Ethiopia**. Local hopper concentrations were treated in southeast **Egypt** and isolated adults persisted on the southern coast of **Yemen**. No locusts were reported in the Western Region. The longer-term outlook indicates an active early monsoon season along the **Indo-Pakistan** border and above-normal rainfall in the northern Sahel of Africa, **Yemen** and northeast **Ethiopia** from July to September. However, it would take several generations of successful breeding before locust numbers increase to threatening levels, hence situation is expected to remain calm to at least October.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

FORECAST (India) : Ecological conditions are not favourable for DL breeding in India and as per FAO update there is no DL activity reported in SWAC region. Therefore, any migration/locust activity is not expected in coming fortnight, but surveys for close monitoring will be continued.

एफ. ए. ओ. अपडेट (2 मई) : हॉर्न ऑफ अफ्रीका के दक्षिणी इथियोपिया में पहले सप्ताह के दौरान कुछ छोटे अपरिपक्व दल बने हैं। दक्षिण-पूर्व मिस्र में स्थानीय हॉपर का नियंत्रण किया गया और यमन के दक्षिणी तट पर कम संख्या के व्यस्क बने हैं। पश्चिमी क्षेत्र में टिड्डियों की कोई सूचना नहीं है। दूरगामी अनुमान के तहत भारत-पाकिस्तान सीमा पर सक्रिय प्रारंभिक मानसून का और जुलाई से सितंबर तक अफ्रीका के उत्तरी साहेल, यमन और पूर्वोत्तर इथियोपिया में सामान्य से अधिक वर्षा का संकेत देता है। हालांकि, टिड्डियों की संख्या खतरनाक स्तर तक बढ़ने के लिए प्रजनन की कई पीढ़ियां लगती हैं, इसलिए स्थिति कम से कम अक्टूबर तक शांत रहने की उम्मीद है।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एसडब्ल्यूएसी) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

पूर्वानुमान : भारत में टिड्डी प्रजनन के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं एवं एफ. ए. ओ. अपडेट के अनुसार, एसडब्ल्यूएसी क्षेत्र में टिड्डी गतिविधि की कोई सूचना नहीं है। इसलिए, आने वाले पखवाड़े में टिड्डी की किसी प्रकार की गतिविधि/ देशांतर गमन की उम्मीद नहीं की जाती, लेकिन कड़ी निगरानी के लिए सर्वेक्षण जारी रहेगा।

Photographs of Locust awareness cum training programme

